

---

# Shri Sarasvati Stotram

श्रीसरस्वतीस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Shri Sarasvati Stotram

File name : sarasvatIstotramumeshvarAnanda1.itx

Category : devii, sarasvatI, stotra, aShTaka

Location : doc\_devii

Proofread by : Paresh Panditrao

Description/comments : Ganga Mahatmya And Stuti Ratnavali By Swami Umeshvaranand Tirth

Latest update : July 8, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Sarasvati Stotram

---

### श्रीसरस्वतीस्तोत्रम्

---



श्रेताम्भरां उंसमुसेवितातां  
मृडाल पुष्पोपरि संषिशाञ्च ।  
वीणा नदन्ती स्वर साधयन्ती  
नमामि वाणीं जन शान्तिदात्रीम् ॥ १ ॥

सरस्वतीं वेद विशारदां परां  
विमुक्तिदां नित्य सुधाब्धिधामदाम् ।  
अलौकिकां लोकसुबुद्धिदां त्वां  
नमामि कोटीन्दु समम्भुविस्मिताम् ॥ २ ॥

वराभय पुस्तक मालिकामयीं  
स्वरैश्वर्यार्णालय गान तत्पराम् ।  
वेदान्त विज्ञानघनाञ्च शारदां  
नमामितां यन्द्रमुष्पीं समुज्ज्वलाम् ॥ ३ ॥

डारैर्सुवासैश्च डिरीटकुण्डले  
करद्वये वल्लडिना सुशोभिते ।  
उत्तुङ्ग वक्षस्थलरत्न शोभितां  
नमामी वाणीं सकलार्थ दायिनीम् ॥ ४ ॥

अैङ्कार पूर्व च सरस्वतीञ्च  
युक्तं यतुर्थी नमः शब्दमुत्तरम् ।  
कृत्वातु पञ्चायुत जापकाय  
सिद्धिं प्रदात्रीं प्रणामामि वाणीम् ॥ ५ ॥

शास्त्रार्थ सारं परमार्थ सारं  
विज्ञान सारं शुभज्ञान सारम् ।  
स्वरमलङ्कार गतं सुसारं  
तां शारदां नित्य नमामि भक्तया ॥ ६ ॥

ॐ ह्रीं औं क्लीं सौं श्रीं सरस्वत्यै नमः “ॐति मन्त्रः”

ह्रींकाररुपां सुमुभीं विशुद्धां

औंकाररुपां विमलां सुबोधाम् ।

धींकाररुपां लृटये विशन्तीं

क्लींकाररुपां प्रणामामि वाणीम् ॥ ७ ॥

सौंकाररुपां सुषुप्तां च नित्यं

श्रींकाररुपां सकलार्थदाञ्च्य ।

सरस्वतीं शान्तिप्रदां सदा त्वां

नमामि नित्यं परमार्थतत्त्वाम् ॥ ८ ॥

शारदाष्टकमिदं पुण्यं सर्वशास्त्रकृत्प्रदम् ।

पठनात् मननात् ध्यानात् भवति विमला मतिः ॥

ॐति श्री स्वामी उमेश्वरानन्दतीर्थविरचितं सरस्वती स्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Paresh Panditrao

---

*Shri Sarasvati Stotram*

pdf was typeset on July 8, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

